

चीन का उच्च ऊर्जा फोटॉन स्रोत

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

चर्चा में क्यों?

चीन चौथी पीढ़ी के अत्याधुनिक सिक्रोटरॉन प्रकाश स्रोत, उच्च उर्जा फोटॉन स्रोत (High Energy Photon Source- HEPS) के नरिमाण के साथ एक बड़ी वैज्ञानिक सफलता प्राप्त कर सकता है।

- यह विकास चीन को **वर्श्व के कुछ सबसे स्पष्ट X-rays** का सृजन करने में सक्षम देशों के चुनदा समूह में शामिल करेगा।

नोट:

- सिक्रोटरॉन फुटबॉल स्टेडियम के आकार की एक बड़ी गोलाकार कण त्वरक है, जो मज़बूत चुंबकीय क्षेत्र के साथ सुरंगों के अंदर एक गोलाकार कक्ष में यात्रा करने के लिये **उच्च-ऊर्जा इलेक्ट्रॉनों को प्रोत्साहित करता है और इनका उपयोग करके प्रकाश की तीव्र करिणें उत्पन्न करता है।**
 - इस प्रकाश का उपयोग सामग्रियों के अंतरतम रहस्यों को उजागर करने के लिये किया जाता है, जिससे चिकित्सा, कृषि और सामग्री विज्ञान में प्रगति होती है।

HEPS सुविधा क्या है?

- **परचिय:**
 - चीन का **उच्च ऊर्जा फोटॉन स्रोत (High Energy Photon Source- HEPS)** लगभग **हुआइरौ** में स्थित है, इस त्वरक को इसके 1.36 किलोमीटर की परधि भंडारण रिंग के भीतर **6 गीगा इलेक्ट्रॉन वोल्ट की ऊर्जा** तक इलेक्ट्रॉनों की गति को तेज़ करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **HEPS की मुख्य विशेषताएँ:**
 - HEPS उच्च-ऊर्जा वाली X-rays का सृजन करेगा जो नमूनों में गहराई से प्रवेश कर सकता है और नैनोमीटर पैमाने पर जटिल विवरण प्रकट कर सकता है।
 - तकनीकी विशेषताएँ:
 - **इलेक्ट्रॉन त्वरण:** 6 गीगाइलेक्ट्रॉन वोल्ट तक।
 - **टाइम रिज़ॉल्यूशन:** तीसरी पीढ़ी के सिक्रोटरॉन से 10,000 गुना बेहतर, नैनोसेकंड में माप को सक्षम बनाता है।
 - **बीमलाइंस:** प्रारंभ में 14 से 90 तक वस्तुतः करने की क्षमता के साथ।
 - **वैज्ञानिक प्रभाव:**
 - **नैनोमीटर-स्तर पर अध्ययन:** वास्तविक समय में आणविक एवं परमाणु संरचनाओं के अध्ययन करने की क्षमता।
 - इससे प्रोटीन के छोटे क्रिस्टल सहित सूक्ष्म नमूनों का विश्लेषण किया जा सकता है, जो कि चुनौतीपूर्ण हैं।
 - **व्यापक क्षेत्रों में अनुप्रयोग:** इससे बायोमेडिसिन, ऊर्जा, उन्नत सामग्री के साथ संघनित पदार्थ भौतिकी जैसे क्षेत्रों में लाभ होगा।
 - **परीक्षण सुविधा में तीव्रता:** अधिक समय में होने वाले परीक्षण इसके माध्यम से तीव्रता से हो सकते हैं।
- **चुनौतियाँ:**
 - **एक्स-रे बीम की स्थिरता:** यह सुनिश्चित करना कि एक्स-रे बीम व्यावहारिक उपयोग के लिये पर्याप्त रूप से स्थिर है, इसके लिये सावधानीपूर्वक, चरण-दर-चरण समायोजन की आवश्यकता होती है।
 - **तकनीकी परिशुद्धता:** बीम की चमक और स्थिरता बनाए रखने के लिये हजारों घटकों को संरेखित करने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है।

HEPS की तुलना अन्य सिक्रोटरॉन से कैसे की जाती है?

- **चीन में वर्तमान स्थिति:** HEPS चीन के वर्तमान में सबसे उन्नत सिक्रोटरॉन, शंघाई सिक्रोटरॉन वकिरिण सुवधा को पीछे छोड़ देगा ।
- **वैश्विक संदर्भ:** विश्व भर में चौथी पीढ़ी वाली केवल कुछ ही सिक्रोटरॉन सुवधाएँ हैं, जिनमें नमिनलखिति सिक्रोटरॉन सम्मलित हैं:
 - मैक्स IV प्रयोगशाला (लुंड, स्वीडन), सीरयिस (कैपनास, ब्राज़ील), एक्सट्रीमली ब्रलियिंट सोर्स (ग्रेनोबल, फ्राँस) और एडवांसड फोटॉन सोर्स (लेमोंट, इलनोइस) ।
- **भारत में सिक्रोटरॉन:**
 - भारत के पास इंदौर में स्थिति राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांसड टेक्नोलॉजी (RRCAT) में दो सिक्रोटरॉन वकिरिण स्रोत हैं ।
 - **इंडस-1:**
 - यह एक 450 MeV स्रोत है जो 1999 से कार्यरत है तथा एक्स-रे एवं वैक्यूम पराबैंगनी (VUV) क्षेत्रों में उत्सर्जति करता है ।
 - **इंडस-2:**
 - इंडस-2, 2.5 GeV ऊर्जा और 200 mA बीम करंट के साथ **सर्वदेशी रूप से नरिमति तीसरी पीढ़ी का सिक्रोटरॉन वकिरिण स्रोत (SRS) है**, जो राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांसड टेक्नोलॉजी (RRCAT), इंदौर में संचालति कयिा जाता है ।
 - इसमें चुंबकों पर आधारति 21 बीमलाइनों तथा सम्मलिन उपकरणों पर आधारति 5 अतरिकित बीमलाइनों को लगाया गया है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/china-s-high-energy-photon-source>

